लाल पेन का डर

हमारे समाज में लाल रंग को अनेक अर्थों में लिया जाता है। मसलन राजनीती में मार्क्सवादी विचारधारा वाले क्रांती के रूप में लाल रंग का स्तेमाल करते हैं। सेना में यह जोश का प्रतीक है। तो यातायात व्यवस्था में यह खतरे का प्रतीक है। यही लाल रंग हमारी मुख्यधारा की स्कूलों में इस्तेमाल किया जाता है। जैसे बच्चा अनुपस्थित रहा तो लाल पेन से A का निशान बनाना। परीक्षा में कम नम्बर आने पर उक्त विषय पर लाल गोला करना। कॉपी में गलती होने पर लाल गोला बनाना। जिस सहज भाव से इस लाल पेन का इस्तेमाल किया जाता है। उसे देखकर तो एसा लगता है कि शिक्षक का काम ही लाल पेन चलाना है। शिक्षक अपनी जेब में लाल और नीले पेन लगाए कक्षा में प्रवेश करता है और सुबह से शाम तक बच्चों के दिन भर के काम पर लाल निशान बनाता रहता है। जिसके परिणामस्वरूप बच्चे

हतोत्साहित होने लगते है। बच्चे अपनी नोट बुक दिखाने से डरते हैं और शिक्षक की उपस्थिती में लिख नहीं पाते हैं। शिक्षक के नजदीक आते ही बच्चे के हाथ ऐसे काम करना बंद कर देते है जैसे–लाल झण्डी देख कर रेल दौड़ना बंद कर देती है। इस लाल पेन का बच्चों के दिलो दिमाग पर ऐसा असर पडता है कि, बच्चे सीखना पढ़ना छोड़कर लाल पेन से बचने की जुगत लगाते रहते हैं। जिसके परिणामस्वरूप वे अपनी गलतियाँ को सुधारने की बजाय उनको शिक्षक से छुपाने का प्रयास करते हैं। इसी लिए बच्चे अपने साथी छात्र अथवा पास बुक की मदद लेकर काम करते पाए जाते हैं। जिनसे कुछ भी सीखना नहीं होता है।

हमें चाहिए कि हम बच्चों को सीखने सिखाने में मददगार तरीकों का स्तेमाल करें। जिससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़े। समस्याओं का समाधान हो ना की उन पर पर्दा डाला जाए।

इसके लिए जरूरी है कि बच्चे के काम का सही मूल्यांकन कर समस्या के कारणों का पता लगाया जाए और उन कारणों को ठीक करने की योजना बनाई जाए। आवश्यकता पढ़ने पर बच्चे से बातचीत भी की जाए। हो सके तो ऐसे तरीके अपनाए जाने चाहिए जिनसे बच्चा स्वयं अपने काम का मूल्यांकन कर सके और अपनी गलतियों को ढूंढ कर उनका सुधार कर ले।

उदय पाठशालाओं में इन सब बातों का विशेष ध्यान रखा जाता है। इसलिए लाल पेन का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। शिक्षक बच्चों की गलतियाँ बच्चों को नहीं बताकर गलती के कारण तलाशते है। और अगले दिन उसको समझाकर सुधार करवा देते हैं। बच्चों के रिर्पोट कार्ड पर भी बच्चों ने जो सीखा है वही लिखा जाता है।

लाल पेन का डर